

## तीनदिवसीय 'गूंज महोत्सव'की शुरुआत

### चर्चा में क्यों?

18 दिसंबर, 2022 को झारखंड के राँची के सलिली में तीनदिवसीय 'गूंज महोत्सव'की शुरुआत हुई, जिसका उद्घाटन झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस द्वारा किया गया।

### प्रमुख बंदि

- 'गूंज महोत्सव'के उद्घाटन से पहले राज्यपाल रमेश बैस ने राँची के सलिली कॉलेज में उच्चस्तरिय लाइब्रेरी और स्टडी सेंटर का ऑनलाइन शुभारंभ किया। स्टडी सेंटर का संचालन झारखंड स्टेट ओपेन यूनिवर्सिटी द्वारा किया जाएगा।
- 'गूंज महोत्सव'में एक साथ 5001 कलाकारों ने 'छऊ नृत्य कार्नवाल'और 1500 युवाओं ने सांस्कृतिक प्रदर्शन किया।
- इस अवसर पर गूंज महोत्सव के संरक्षक सह वधायक सुदेश कुमार महतो ने बताया कि झारखंडी संस्कृति एवं परंपरा की वरिसत का जतन करने की कोशिशों के साथ शुरु गूंज महोत्सव ने अपने यादगार सफर के साथ क्षेत्र के विकास और समाज के सशक्तीकरण में नरिणायक भूमिका अदा की है। इसके दारोमदार गूंज परिवार से 74 हज़ार परिवार जुड़े है।
- समारोह में शामिल इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के सुब्रतो दास ने छऊ नृत्य को पारंपरिक नृत्य के तौर पर इस रिकॉर्ड्स में शामिल करने की घोषणा की, इसके साथ ही उन्होंने सुदेश कुमार महतो को रिकॉर्ड्स से जुड़ा मेडल पहनाया।
- गूंज महोत्सव के आयोजन स्थल सलिली स्टेडियम में ग्रामीण परविश की थीम पर सलिली हाट का नरिमाण किया गया है। इस हाट में लगभग 100 स्टॉल लगाए गए हैं। एसएचजी से जुड़ी महिलाओं ने भी कई स्टॉल लगाए हैं।